कामकाज.कॉम ने दिल्ली-एनसीआर में शुरू की सेवाएं

नई दिल्ली, (वासं)। शारीरिक मेहनत वाली यानी ब्लू कॉलर जॉब्स से जुड़े असंगठित क्षेत्र को समर्पित एक खास एप और वेब आधारित स्टार्टअप कामकाजडॉटकॉम ने दिल्ली-एनसीआर में अपनी सेवाओं का संचालन शुरू कर दिया है। अर्पित प्रकाश माथुर की अगुवाई वाले इस स्टार्टअप का लक्ष्य देश में कुशल श्रमिकों के जरिए उद्योग जगत की समस्याओं को हल करना है। यह स्टार्टअप ऐसे लोगों को उनके लोकेशन के हिसाब से नौकरियां उपलब्ध कराएगा जो उन लोकप्रिय वर्क पोर्टल्स पर पंजीकृत नहीं हैं जिन तक केवल देश की पढ़ी लिखी आबादी की ही पहुंच है। फैक्ट्री कर्मचारी, आईटीआई, गार्ड्स, इलेक्ट्रीशियन, प्लंबर, हाउस मेड आदि को इस स्टार्टअप की सेवाओं का फायदा होगा। यह खास वेंचर जीपीएस आधारित सिस्टम पर काम करता है अपने मोबाइल एप्स पर कर्मचारियों और नियोक्ताओं दोनों की जरूरतों को दर्शाता है। किसी खास भौगोलिक क्षेत्र में नौकरी चाहने वाला व्यक्ति उस क्षेत्र में नौकरियां और उनके लिए योग्यता एवं वेतन आदि के बारे में इसकी मदद से जान सकता है। इसी तरह एक नियोक्ता अपने आसपास वर्कफोर्स की जानकारी जुटाकर अपनी जरूरतों के मुताबिक कर्मचारी भर्ती कर सकता है। यह छोटे उद्योगों के लिए बहुत अच्छे से काम करता है क्योंकि उनको वर्कलोड के हिसाब से दिहाड़ी मजदूरों की जरूरत होती है। कामकाजडॉटकॉम के संस्थापक श्री अर्पित प्रकाश माथुर ने कहा, ''हम एचआर में असंगठित क्षेत्र की कुछ प्रमुख समस्याओं को हल करने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि हम चाहते हैं कि सही व्यक्ति को सही नौकरी मिले और कंपनियों को उचित मैनपावर मिल सके। उपयुक्त श्रमशक्ति से उनको उत्पादन और क्षमता बढ़ाने में मदद मिल सकती है। कामकाजडॉटकॉम सिस्टम में ज्यादा पारदर्शिता लाने में मदद करती है। इसके अलावा कॉन्ट्रैक्टर्स भी इस एप के जरिए कर्मचारी भर्ती कर एसएमई/एमएसएमई में स्टाफ की समस्या को हल सकते हैं। कंपनी का लक्ष्य अक्षम श्रेणी में व्यावसायिक प्रशिक्षण देना भी है और लोगों को अपनी सेवाएं एसएमएस और कॉल बैक के जरिए देगी। श्री माथुर ने कहा, '' भारत जैसे देश में जहां स्टाफ की 83 फीसदी भर्ती अब भी असंगठित है और 6.5 करोड़ कर्मी अपनी रोजी रोटी के लिए विभिन्न भूमिकाओं में काम करते हैं, हमारा तो केवल इतना प्रयास है कि कुशल श्रम को उपयुक्त जॉब मिल जाए। उम्मीद है कि हम कस्बों और गांवों से श्रमिकों का शहरों की तरह पलायन को रोक पाएंगे और लोगों को उनके आसपास ही काम मिल सकेगा।'कामकाज उन लोगों की भी मदद करेगा जिनको किसी खास तरह की ट्रेनिंग लेने की जरूरत है, यह लोगों को उनके नजदीकी कौशल प्रशिक्षण केंद्र से जोड़ेगा ताकि स्किल इंडिया मिशन को बढ़ावा दिया जा सके।